Popular Front of India

+91 11 46526919
popularfrontmail@gmail.com
www.popularfrontindia.org
/PopularFrontofIndiaOfficial
@PFIOfficial
/PopularFront EMedia
/pfiofficial

# प्रेस रिलीज़

19 अगस्त 2021

## काबुल सरकार का पतन अमेरिकी तानाशाही के इतिहास का एक और शर्मनाक अध्यायः पॉपुलर फ्रंट

नई दिल्लीः अफगानिस्तान की मौजूदा बदलती राजनीतिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के चेयरमैन ओ एम ए सलाम ने अपने एक बयान में कहा कि अफगानिस्तान ने पिछले 20 सालों से चले आ रहे क्रूर विदेशी कब्जे को पराजित किया है। उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह से अफगानियों ने अपने दो दशक लंबे प्रतिरोध के माध्यम से नाटो की युद्ध मशीन को खदेड़ा है, इसमें दुनिया भर के उन सभी लोगों के लिए सबक है जो अपनी धरती को विदेशी चढ़ाई से आज़ाद कराने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में लोकतंत्र और विकास लाने जैसे युद्ध के बताए गए उद्देश्य एक झूठ साबित हुए हैं। इसके विपरीत इसके कारण सिर्फ और सिर्फ मौत और तबाही आई है और लाखों लोग बेघर हुए हैं। बताया जाता है कि युद्ध के दौरान 150 हज़ार से अधिक अफगानी नागरिक मारे गए हैं। अमेरिका की सरपरस्ती में बनी चोर, भ्रष्ट और अयोग्य सरकार ने लोगों की दुर्दशा को और बदतर बना दिया था। अरबों डॉलर खर्च करके अमेरिका ने अफगान जनता को नहीं बल्कि केवल युद्ध के आकाओं और नशे के सौदागरों को मजबूत करने का काम किया है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं कि अमेरिकी सेना के जाते ही यह क्यों बिखर गए। कब्ज़े के आखिरी दिनों में काबुल हवाई अड्डे पर दुनिया ने अफरा–तफरी और हलचल का जो नज़ारा देखा, वह यह बताता है कि कब्ज़ा करने वाली ताकतों ने किस तरह से उन लोगों को भी छोड़ दिया जिन्होंने उसकी सेवा की।

अफगानिस्तान में बुश सरकार द्वारा शुरू किए गए 'आतंकवाद विरोधी युद्ध' के नाम पर क्रूर सैन्य अभियान ने हर तरह से दुनिया भर के मुसलमानों को प्रभावित किया है। इस नाम पर बदनाम करना और मानवाधिकारों का उल्लंघन आज भी जारी है। सैकड़ों निर्दोषों को बिना जुर्म साबित किए सालों तक प्रताड़ित किया गया। यह सब अमेरिकी तानाशाही के इतिहास के शर्मनाक अध्याय के तौर पर याद किए जाएंगे। ओ एम ए सलाम ने इस ओर भी इशारा किया कि कम से कम अब दुनिया को आगे आकर 2001 में अफगानिस्तान पर चढ़ाई करने के अमेरिकी फैसले की निंदा करनी चाहिए। पहले से ही युद्ध के मारे लोगों के खिलाफ अमानवीय बमबारी और अत्यंत खतरनाक हथियारों का उपयोग गलत, अनैतिक और इतिहास की एक बदतरीन त्रासदी थी।

ओ एम ए सलाम ने याद दिलाते हुए कहा कि दुनिया में शांति बनी रहे, इसके लिए ज़रूरी है कि अमेरिका के हस्तक्षेप की आदत और तानाशाह व क्रूर सरकारों को उसका सैन्य समर्थन खत्म हो। उन्होंने यह आशा जताई कि अब जबकि कब्ज़ा करने वाली ताकतें जा चुकी हैं, हर तरफ के अफगानियों को जातीय दुश्मनी और गुटबंदी को खत्म करने के तरीके तलाशने चाहिएं और एक सम्मिलित व मज़बूत राजनीतिक सिस्टम बनाना चाहिए, जिससे सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के फायदा पहुंचे। साथ ही उन्होंने भारत से अपील की कि वह अफगानिस्तान के उभरते राजनीतिक हालात में शामिल हो और पड़ोसी देश के साथ गहरे और मजबूत द्विपक्षीय संबंध बनाए।

डायरेक्टर, मीडिया व जनसंपर्क
मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया,
नई दिल्ली